Teacher's Manual

Carvaan

हिंदी

Foundational Stage

Class 1

MASTERMIND

अध्याय 2
बिना मात्रा वाले (अमात्रिक शब्द)

उ०2. टब कमल कटहल

उ०3. टहल कलम फल शरबत

अध्याय 3
मात्रिक शब्द

'आ' की मात्रा (ा) वाले शब्द

उ०2. छाता माला जहाज टमाटर

उ०3. गमला माला राजा

उ०4.

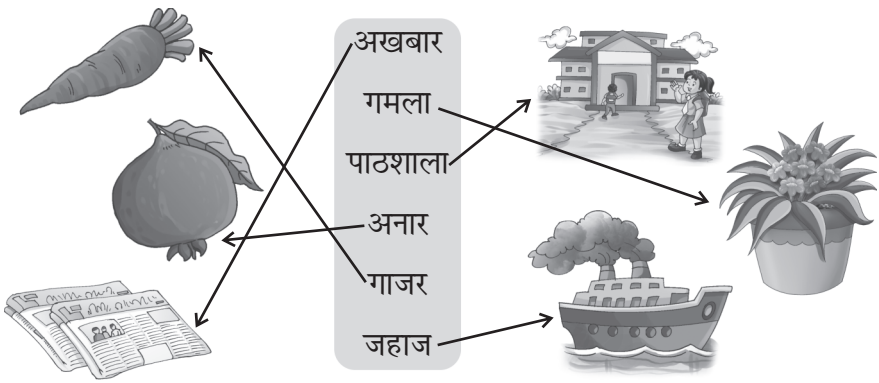

उ०5. बाजा, छाता, राजा, माला, मकान

उ०6. गाल गाजर दादा अचार छाता काजल
बाजा कागज गमला

'इ' की मात्रा (ि) वाले शब्द

उ०2. गिलास चिड़िया घड़ियाल किताब

उ०3.

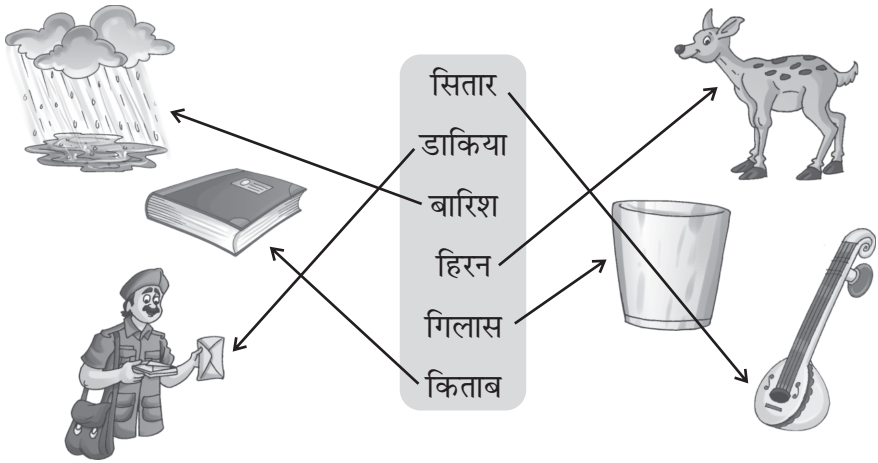

उ०4. बिल किरण निकिता गिरगिट

'ई' की मात्रा (ी) वाले शब्द

उ०2. बकरी पपीता चील चाबी

उ०3. कील बड़ी दीवार

उ०4. कीट घड़ी हाथी तीर

- पानी में

'उ' की मात्रा (ु) वाले शब्द

उ०2. धनुष बुलबुल गुड़िया लुहार

उ०3. कछुआ साबुन गुलाब बटुआ

उ०4. सुन बाना बुल दुख

क्रिया-कलाप

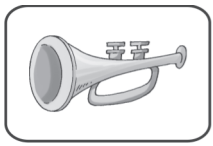

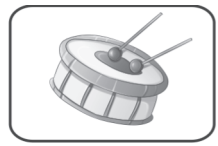

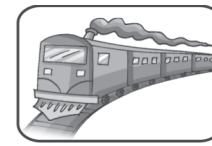

पौं-पौं | डम-डम | तडबक-तडबक | तड़क-तड़क

'ऊ' की मात्रा (ू) वाले शब्द

उ०2.

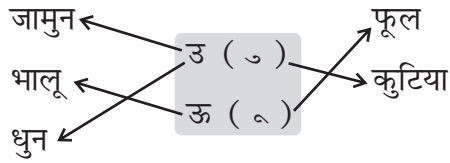

उ०3. कबूतर सूरज भालू तराजू

'ऋ' की मात्रा (ृ) वाले शब्द

उ०2. अमृत कृपा मृग वृक्ष

उ०3. गृहिणी कृपाण कृषक नृप

- नाक कमल लड़का काजू

'ए' की मात्रा (े) वाले शब्द

उ०2. बसेरा मेला सवेरा पेड़ केला ठठेरा
अकेला खेल

उ०3. सपेरा ठेला

उ०4. सवेरा गुलेल बरेली बसेरा दिनेश

उ०5. शेर तारे मेज केला रेल

क्रिया-कलाप

- पौधा लगाने के लिए बीज, मिट्टी, गमला, पानी, खाद आदि की आवश्यकता पड़ती है। पेड़-पौधे हमें शुद्ध हवा प्रदान करते हैं, इसी कारण हमें पौधे लगाने चाहिए।

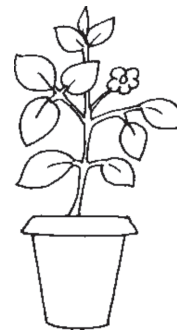

(रंग स्वयं भरें)

'ए' की मात्रा (ै) वाले शब्द

उ०2. बैलगाड़ी सैर

उ०3. पैसा कैमरा

उ०4. चैन थैला पैसा तैराक

'ओ' की मात्रा (ो) वाले शब्द

उ०2. तोता घोड़ा खरगोश मोर

उ०3. टेलीफ़ोन गोभी होली टोकरी

क्रिया-कलाप

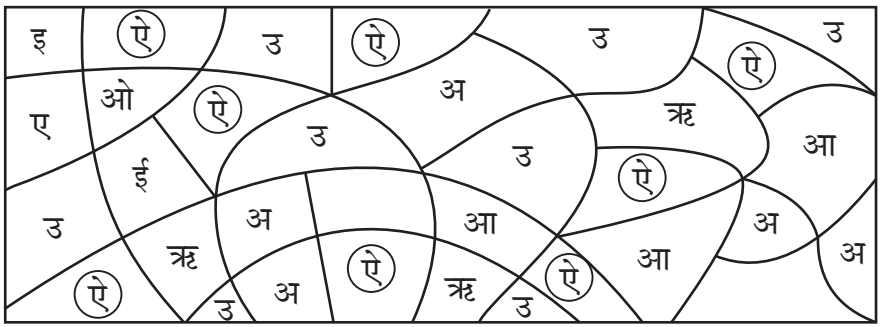

'औ' की मात्रा (ौ) वाले शब्द

उ०2. खिलौना बौछाड़ (फव्वारा) बिछौना लौकी

उ०3. मौसी फौजी

उ०4. चौकीदार चौरासी

'अं' की मात्रा (ं) वाले शब्द

उ०2. शंख संगम भुजंग अनंग

उ०3. अंडा पलंग कंगन

उ०4. चंदा शंख कंघी मंदिर रंजन बंदर

उ०5. बंदर पतंग डंडा

‘अः’ की मात्रा (ः) वाले शब्द

उ०2. अतः अंडा प्रातः अंत पतंग छः

चंद्रबिंदु की मात्रा (ँ) वाले शब्द

उ०3. दाँत आँख साँप

उ०4. दाँत ऊँचा सूँड़ माँ बाँस साँवला

अध्याय 4

‘र’ के रूपों का प्रयोग (ˋ, ⁄, ‸)

उ०2. रेल ब्रश सूर्य ट्रक टायर वर्षा

उ०3. वर्षा ट्राम ट्रक वक्र सूर्य गर्म

अध्याय 5

संयुक्त व्यंजन

उ०2. क्षमा त्रिवेणी ज्ञानी श्रमिक क्षय त्रिशूल

ज्ञाता श्रम कक्षा त्रिमुख ज्ञान आश्रम

उ०3.

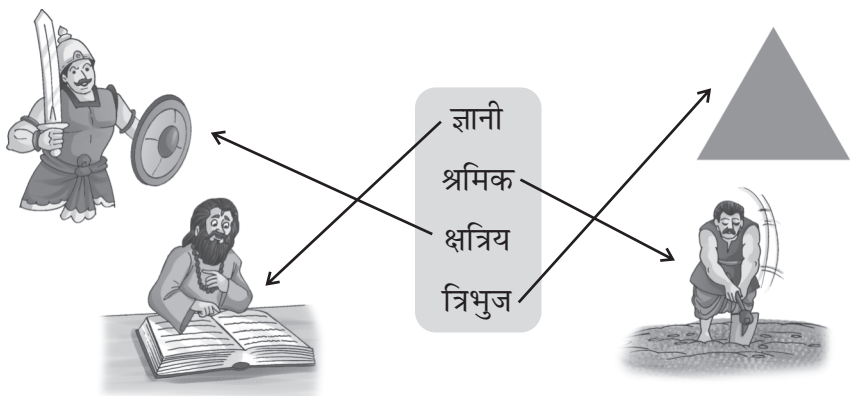

उ०4. आश्रम त्रिकोण परीक्षा मात्रा परिश्रम ज्ञाता

यज्ञ क्षमा परीक्षण

अध्याय 6

संयुक्त अक्षर

उ०2. लट्टू कच्छा क्यारी गुप्त
छुट्टी अच्छा वाक्य विलुप्त
पट्टा लच्छा क्या लुप्त

उ०3. कुत्ता गुच्छा प्याज

उ०4. सख्त बिल्ली गन्ना मुक्का मच्छर डिब्बा
प्यासा लस्सी

अध्याय 7

सुंदर प्यारे ये सितारे

पाठ-बोध

उ०2. (क) रात में (ख) रात (ग) हिलमिलकर

उ०3. (क) (ii) (ख) (iii)

उ०4. (क) सुन्दर-सुन्दर (ख) शाम (ग) हिलमिल

उ०5. (क) चाँद-सितारे सुन्दर-सुन्दर और प्यारे-प्यारे हैं।
(ख) ये हमें हिलमिल कर रहना सिखाते हैं।
(ग) हमें समता का भाव बढ़ाना चाहिए।

व्याकरण-बोध

उ०1. बदसूरत काँटे उगता पास

उ०2. आ+स+म+आ+न स+उ+न्+द+र

अध्याय 8

मधुर सीख

पाठ-बोध

उ०2. (क) शरारती (ख) हरी-हरी घास
(ग) साथ-साथ आगे बढ़ने के लिए

उ०3. (क) (iii) (ख) (i)

उ०4. (क) बकरियाँ (ख) भूख (ग) सीधी (घ) शरारत

उ०5. (क) 7 (ख) 3 (ग) 3 (घ) 7

उ०6. (क) गड़रिये के पास दो बकरियाँ थीं।

(ख) दोनों बकरियों के नाम लाली और काली था।

(ग) गड़रिये को बकरियों पर गुस्सा आया क्योंकि वे दोनों इधर-उधर भागतीं, कूद लगातीं। दूर-दूर घूमने निकल जातीं।

(घ) शाम को गड़रिये के आने पर बकरियाँ अपने पिछले पाँवों पर खड़ी हो गई। दोनों बोलीं– में-में-में-में। हम आपके साथ जंगल जाएँगी।

व्याकरण-बोध

उ०1.	संतरे	टॉफियाँ	केले	बकरियाँ
उ०2.	बड़ी	उधर	पास	अनेक
	पीछे	अगले	ज्यादा	गलत
उ०3.	भेड़	जंगल	रस्सी	भूख
	टोकरी	मुँह	शरारत	तुम
उ०4.	दुखी	आनंद	शैतानी	अनेक

अध्याय 9

मुर्गे को वरदान

पाठ-बोध

उ०2. (क) तपस्या (ख) ऋषि की सेवा (ग) चंपक वन

उ०3. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (i)

उ०4. (क) वन (ख) गहरी (ग) सेवा

(घ) तपस्या (ङ) मुर्गा

उ०5. (क) 3 (ख) 7 (ग) 3 (घ) 3

(ङ) 7

उ०6. (क) ऋषि की मित्रता जंगल में मुर्गे से थी।

(ख) मुर्गा ऋषि के पास सूर्य की पहली करण के साथ पहुँच जाता था।

(ग) ऋषि तपस्या में लीन रहते थे।
(घ) ऋषि चंपक वन में रहते थे।
(ङ) मुर्गा केवल ऋषि की सेवा करता था।

अध्याय 10
सच्ची शिक्षा

पाठ-बोध

उ०2. (क) त्याग (ख) सादा (ग) मदद
उ०3. (क) (i) (ख) (i) (ग) (iii)
उ०4. यह महान् जीवन का साधन ।।
पीड़ित-जन की करूण गुहार ।।
त्याग सदा सेवा का बल है ।।
ऐसा अवसर ही उपहार ।।
उ०5. (क) सादा जीवन, उच्च विचार शिक्षा का सार है।
(ख) जग में कुछ करने के लिए चित्त लगाकर परिश्रम करना आवश्यक है।
(ग) माता-पिता की आज्ञा का पालन करना ही जीवन को महान बनाने का साधन है।

व्याकरण-बोध

उ०1. कल नल हल चल
टल बल
उ०2. संसार ईश्वर परिश्रम
उ०3. सादा जाना साधन त्याग

अध्याय 11
लाल बहादुर शास्त्री

पाठ-बोध

उ०2. (क) लाल बहादुर (ख) नदी
(ग) प्रधानमंत्री

उ०3. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (iii)

उ०4. (I) (क) गरीबी (ख) एहसान (ग) थक

उ०4. (II) (क) 7 (ख) 3 (ग) 3

उ०5. (क) बालक उदास बैठा था।

(ख) बालक चोरी नहीं करना चाहता था इसलिए उसने अपने मित्रों की बात नहीं मानी।

(ग) 2 अक्टूबर, 1904 को लाल बहादुर शास्त्री का जन्म हुआ।

व्याकरण-बोध

- (क) वह नदी पार करना चाहता था।

(ख) वह तुमसे पैसे नहीं मांगेगा।

(ग) मैं कभी चोरी नहीं करूँगा।